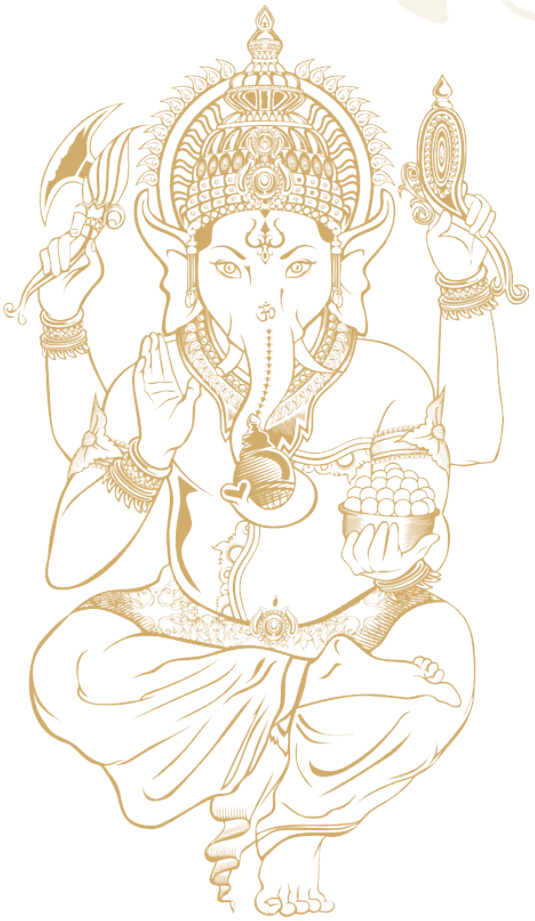

09 Jan 2026

05:20 PM

Bulandshahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 120887706

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**09/01/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:20:00 घंटे**
इष्ट	25:18:07 घटी
स्थान	**Bulandshahr**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:30:00 उत्तर
रेखांश	77:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:01:16 घंटे
वेलान्तर	-00:07:01 घंटे
साम्पातिक काल	00:17:24 घंटे
सूर्योदय	07:12:45 घंटे
सूर्यास्त	17:39:11 घंटे
दिनमान	10:26:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	24:59:59 धनु
लग्न के अंश	21:45:31 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	अतिगण्ड
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पूजा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	21:45:31	313:15:06	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	---
सूर्य			धनु	24:59:59	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	11:53:48	12:25:38	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	24:59:53	00:46:19	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	17:36:14	01:34:43	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	सम राशि
गुरु	व		मिथु	26:00:11	00:08:06	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	25:40:10	01:15:28	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			मीन	02:29:40	00:04:15	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	16:05:32	00:01:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	16:05:32	00:01:15	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:31:07	00:01:17	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:24:35	00:01:01	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:45:27	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	10:31:02	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

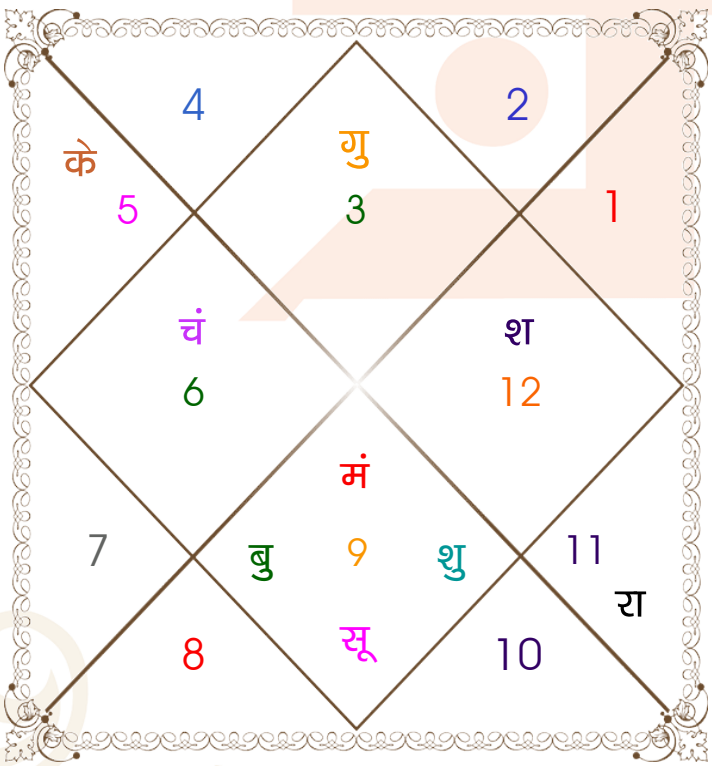

चन्द्र कुंडली

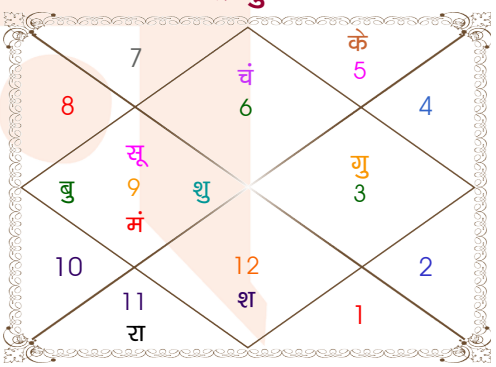

नवमांश कुंडली

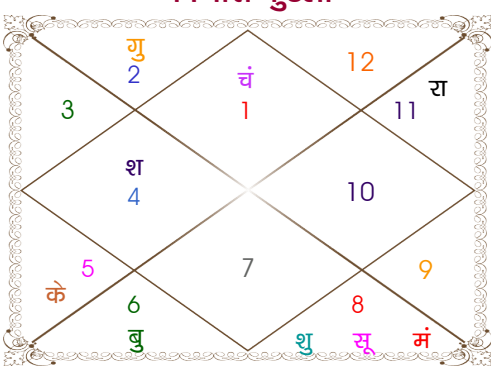

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 6 मास 28 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
09/01/2026		08/08/2034		08/08/2041		08/08/2059		08/08/2075	
08/08/2034		08/08/2041		08/08/2059		08/08/2075		08/08/2094	
	00/00/0000	मंगल	04/01/2035	राहु	20/04/2044	गुरु	26/09/2061	शनि	11/08/2078
	09/01/2026	राहु	23/01/2036	गुरु	14/09/2046	शनि	08/04/2064	बुध	20/04/2081
राहु	09/07/2027	गुरु	29/12/2036	शनि	21/07/2049	बुध	15/07/2066	केतु	30/05/2082
गुरु	07/11/2028	शनि	07/02/2038	बुध	07/02/2052	केतु	21/06/2067	शुक्र	30/07/2085
शनि	08/06/2030	बुध	04/02/2039	केतु	25/02/2053	शुक्र	19/02/2070	सूर्य	12/07/2086
बुध	08/11/2031	केतु	03/07/2039	शुक्र	25/02/2056	सूर्य	08/12/2070	चंद्र	10/02/2088
केतु	08/06/2032	शुक्र	01/09/2040	सूर्य	19/01/2057	चंद्र	08/04/2072	मंगल	21/03/2089
शुक्र	07/02/2034	सूर्य	07/01/2041	चंद्र	21/07/2058	मंगल	15/03/2073	राहु	26/01/2092
सूर्य	08/08/2034	चंद्र	08/08/2041	मंगल	08/08/2059	राहु	08/08/2075	गुरु	08/08/2094

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
08/08/2094		09/08/2111		09/08/2118		09/08/2138		09/08/2144	
09/08/2111		09/08/2118		09/08/2138		09/08/2144		00/00/0000	
बुध	04/01/2097	केतु	06/01/2112	शुक्र	09/12/2121	सूर्य	27/11/2138	चंद्र	09/06/2145
केतु	01/01/2098	शुक्र	07/03/2113	सूर्य	09/12/2122	चंद्र	28/05/2139	मंगल	08/01/2146
शुक्र	02/11/2100	सूर्य	12/07/2113	चंद्र	09/08/2124	मंगल	03/10/2139	राहु	10/01/2146
सूर्य	08/09/2101	चंद्र	11/02/2114	मंगल	09/10/2125	राहु	27/08/2140		00/00/0000
चंद्र	08/02/2103	मंगल	10/07/2114	राहु	09/10/2128	गुरु	15/06/2141		00/00/0000
मंगल	05/02/2104	राहु	28/07/2115	गुरु	10/06/2131	शनि	28/05/2142		00/00/0000
राहु	24/08/2106	गुरु	03/07/2116	शनि	09/08/2134	बुध	04/04/2143		00/00/0000
गुरु	29/11/2108	शनि	12/08/2117	बुध	09/06/2137	केतु	09/08/2143		00/00/0000
शनि	09/08/2111	बुध	09/08/2118	केतु	09/08/2138	शुक्र	09/08/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 7 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के प्रथम चरण में मिथुन लग्न में हुआ था। मिथुन लग्नोदय के साथ-साथ मेष का नवांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म के प्रभाव से यह सुनिश्चित होता है कि आपका जीवन आरामदायक एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। मुख्यतः आपके जीवन का स्वर्णीम काल आपकी आयु के पचीसवें वर्ष से प्रारंभ होगा। आपके जन्म की आकृति निःसंदेह रूप से आपके अनुकूल है। परंतु इसका अर्थ यह नही है कि आप पिछली कतार में आबद्ध होकर, सुगमता पूर्वक उपलब्धियां प्राप्त कर लें। अर्थात् कुछ भी प्राप्त करना आसान नही है। आशा की जाती है कि आप जिस वस्तु को प्राप्त करना चाहती हैं उस वस्तु अर्थात् आपकी अपेक्षा का लाभ स्वतः यंत्रवत् प्राप्त कर लेंगी। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु परिश्रम करना स्थगित कर देंगी तो आपका लक्ष्य असफल हो जाएगा। यदि आप समस्याओं के साथ संघर्ष करेंगी तो निश्चित सफलता मिलेगी।

मिथुन लग्न राशि के प्रभाव से ज्ञात हो रहा है कि आप चंचल बुद्धि की प्राणी हैं। आप जो कुछ भी लाभांश प्राप्त करना चाहती हैं, उसकी प्राप्ति हेतु प्रायः आप अपने काम व्यवसाय को निश्चित रूप से बदल सकती हैं। यदि आप अपने जीवन में सफल होकर उन्नति करना चाहती हैं तो सोच समझ कर प्रस्तुत कार्य-व्यवसाय को पूरा कर लें कार्य करने के लिए कोई बीच का रास्ते बिना निकाले कार्य संपन्न करने की योग्यता आप में विद्यमान है तथा आप ऐसा कर सकती हैं।

आपकी महान संपत्ति आपकी बड़ी अभिलाषाओं की पूर्ति नहीं करेगी। यदि आप में मानवीय गुण का अभाव है। आप कुछ धन या वस्तु प्राप्त कर संतुष्ट हो जाती हो कार्य चाहे छोटा ही क्यों न हो। आप अन्य लोगों के प्रति समर्पित भाव तथा अपनी योजना को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक प्रवृत्ति से युक्त आपकी मनोवृत्ति मिलनसार है तथा आपका जीवन धन एवं प्रसन्नता युक्त रहेगा। आप प्रर्याप्त मात्रा में पर्यटन का सुअवसर प्राप्त करती हो। इस कारण वश आपके नये-नये मित्र बन जाते हैं। वे लोग आपकी सहायता करेंगे।

आपका एक शांतिपूर्ण भवन होगा। जहां निवास कर आप अपने पति एवं संतान के साथ आनंद पूर्वक जीवन बिताएंगी। परंतु आपका परिवार आपके आदान-प्रदान से संबंधित अनुभव करेंगे कि आप अपने जीवन साथी के प्रति किस हद तक समर्पित हैं। अन्य पुरुष के प्रति आपका आकर्षण तथा आप काम वासना के प्रति लुभाने वाली तथा विचलित हो जाने वाली महिला हैं। आपके प्रति विपरीत योनि के लोग आकर्षित हो जाते हैं। क्योंकि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य तथा आपकी आंखें आकर्षक हैं। बल्कि आप लंबे-सीधे एवं लंबे पैरों से युक्त हैं।

आप अतिशीघ्रता पूर्वक उच्च सफलता के शिखर पर पहुंच सकती हैं यदि आप लेखन कार्य पत्रकारिता अथवा पुस्तक प्रकाशन, ज्योतिषीय कार्य, शिक्षण कार्य अथवा न्यायिक कार्य, अर्थात् वकालत पेशे से संबंधित हो जाएं। आप स्वस्थ्य एवं आनंदित रहेंगी। परंतु आप बवासीर, उदर संबंधित असामान्यता तथा श्वांस नली संबंधित रोग से ग्रसित हो सकती हैं। अतः आप शीघ्रता पूर्वक वैकल्पिक सावधानी बरते।

आपके लिए अनुकूल एवं मनभावन रंग सफेद हैं परंतु यह आपको अनुकूलता प्रदान नहीं करता। आपके लिए पीला, गुलाबी, बैंगनी, नीला एवं हरा रंग अभिष्ट है। आप अपनी मनोवृति को सफेद रंग के प्रति बदल दें तथा लाल एवं काले रंग का पत्यिाग करें।

आपके लिए अनुकूल एवं स्पंदित अंक 7 एवं 3 अंक है परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।